मनमानी | ग्राम पंचायत कार्यालय में हमेशा लटका रहता है ताला

कोसमघाट में प्रशासनिक लापरवाही चरम पर

शहपुरा नवभारत 6 फरवरी। सरकार जहां एक ओर गांव-गांव तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के दावे कर रही है, वहीं मेहंदवानी जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत कोसमघाट में जमीनी हकीकत इन दावों की पोल खोलती नजर आ रही है। यहां कार्यदिवस के दौरान भी पंचायत कार्यालय पर ताला लटका मिला, जबकि सचिव, रोजगार सहायक और कर्मचारी पूरी तरह नदारद पाए गए।

पंचायत कार्यालय बंद रहने से ग्रामीणों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है, लेकिन जिम्मेदारों पर इसका कोई असर दिखाई नहीं दे रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत में पदस्थ कर्मचारियों को शासन से नियमित वेतन मिल रहा है, बावजूद इसके वे कार्यालय में उपस्थित होकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन नहीं कर रहे हैं। पंचायत कार्यालय बंद रहने के कारण न तो ग्रामीण अपनी समस्याएं दर्ज करा पा रहे हैं और न ही योजनाओं से जुड़े आवेदन जमा हो पा रहे हैं। मजबूरन ग्रामीणों को बार-बार पंचायत के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, लेकिन हर बार उन्हें निराशा ही हाथ लगती है।

विभिन्न कार्यों के लिए भटक रहे हैं ग्रामीण

हालात इतने बदतर हैं कि ग्रामीणों को प्रमाण-पत्र, पेंशन, आवास योजना, रोजगार से जुड़े कार्यों के लिए भटकना पड़ रहा है। पंचायत में कम से कम एक कर्मचारी की नियमित उपस्थिति शासन के निर्देशों में स्पष्ट रूप से उल्लेखित है, लेकिन कोसमघाट पंचायत में इन निर्देशों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है। ग्रामीणों ने मामले की शिकायत जनपद पंचायत और जिला प्रशासन से करने की बात कही है और दोषी कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

32 .50 लाख के मोबाइल फोन किए गए रिकवर

151 गुम मोबाइल बरामद, साइबर टीम और थानों की संयुक्त कार्रवाई

डिंडोरी ,नवभारत 6 फरवरी। डिण्डौरी पुलिस ने साइबर सेल की तकनीकी दक्षता और जिले के सभी थाना प्रभारियों व पुलिस स्टाफ के समन्वित प्रयासों से 151 गुम हुए मोबाइल फोन बरामद कर बड़ी सफलता हासिल की है। बरामद मोबाइल फोनों की अनुमानित कीमत लगभग 32.50 लाख आंकी गई है, जिससे आम नागरिकों को बड़ी राहत मिली है।

साइबर टीम द्वारा मोबाइल ट्रैकिंग, आईएमईआई ट्रेसिंग और डिजिटल निगरानी के माध्यम से मोबाइल फोन विभिन्न जिलों एवं राज्यों से बरामद किए गए। मोबाइल रिकवरी में थाना कोतवाली डिण्डौरी से 49, शहपुरा से 34, समनापुर से 30, गाडासरई से 9, मेहंदवानी व करंजिया से 10-10, शाहपुर से 3 तथा बजाग से 6 मोबाइल शामिल हैं। गुम मोबाइल मिलने पर पीड़ित नागरिकों के चेहरों पर खुशी साफ नजर आई और उन्होंने पुलिस की कार्यप्रणाली की सराहना की।

मोबाइल गुम होने की तत्काल सूचना दें-उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024 से अब तक डिण्डौरी पुलिस लगभग 1100 गुम मोबाइल फोन बरामद कर चुकी है, जिनकी कुल कीमत करीब 1.59 करोड़ बताई जा रही है। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि मोबाइल गुम होने की स्थिति में तत्काल नजदीकी थाना या साइबर हेल्पलाइन में सूचना दें, ताकि शीघ्र कार्रवाई संभव हो सके।

अधिकारियों ने कार्ययोजना प्रस्तुत कर ली संतृप्ति शपथ

मेहंदवानी में संपूर्णता अभियान 2.0 की समीक्षा बैठक आयोजित

शहपुरा नवभारत 6 फरवरी। नीति आयोग द्वारा संचालित संपूर्णता अभियान 2.0 (28 जनवरी से 14 अप्रैल) का मुख्य उद्देश्य आगामी तीन महीनों में स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा से संबंधित 6 प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों को 100 प्रतिशत संतृप्ति तक पहुँचाना है। यह अभियान विभागीय समन्वय, जनभागीदारी, फ्रंटलाइन वर्कर्स की सक्रिय भूमिका तथा सतत निगरानी पर आधारित है।

यह अभियान आकांक्षी विकासखंड को समग्र विकास की दिशा में एक नई गति प्रदान करेगा। नीति आयोग भारत सरकार द्वारा चिन्हित आकांक्षी विकासखंड में संपूर्णता अभियान 2.0 (28 जनवरी 2026 से 14 अप्रैल 2026 तक) के सफल क्रियान्वयन करने हेतु समस्त ब्लॉक अधिकारियों के द्वारा कार्ययोजना बनाकर सभी विभागों की सहभागिता के साथ कार्य करने एवं छूटे हुए पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित कर सभी संकेतकों को शत प्रतिशत करने हेतु निर्देशित किया गया।

सभी संकेतकों के बारे में दी जानकारी

सम्पूर्णता अभियान 2.0 में 3 विभागों के 6 इंडिकेटर्स, जिसमें 4 इंडिकेटर्स महिला एवं बाल विकास विभाग, 1 इंडिकेटर शिक्षा विभाग तथा 1 इंडिकेटर पशुपालन विभाग को शामिल किया गया है। बैठक के दौरान खण्ड पंचायत अधिकारी जनपद पंचायत द्वारा संपूर्णता अभियान 2.0 में चयनित सभी संकेतकों के बारे में जानकारी दी एवं शत प्रतिशत संतृप्ति के लिए कार्ययोजना प्रस्तुत की गई। तत्पश्चात सभी विभाग प्रमुखों द्वारा अपनी कार्ययोजना प्रस्तुत कर संतृप्ति शपथ ली गई। इस अवसर पर सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे ।

हाईस्कूल की परीक्षा 13 फरवरी से होगी प्रारंभ

उमरिया। जिला शिक्षा अधिकारी आरएस मरावी ने नवभारत से रुबरु होते हुए बताया कि हाईस्कूल की परीक्षा 13 फरवरी से प्रारंभ होकर 6 मार्च तक चलेगी। परीक्षा का समय प्रात: 9 बजे से 12 बजे तक निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि 13 को उर्दू, 14 को नेशनल स्किल्स क्वालिफिकेशन फ्रेम वर्क के समस्त विषय एवं आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, 17 को अंग्रेजी, 19 को संस्कृत, 20 को मराठी, गुजराती, पंजाबी, सिंधी, मूक बधिर तथा दृष्टिहीन छात्रो के लिए, चित्रकला, गायन वादन, तबला पखावज, कम्प्यूटर, 24 को गणित स्टैण्डर्ड, गणित बेसिक, 27 को विज्ञान, 2 मार्च को सामाजिक विज्ञान, 6 मार्च को हिंदी की परीक्षा आयोजित होगी।

बोर्ड परीक्षाओं को लेकर डिंडौरी में धारा 163 लागू

परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर दायरे में अनुशासन भंग करने वाली किसी भी गतिविधि को अपराध माना जाएगा

डिंडौरी ,नवभारत 6 फरवरी। माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षाओं को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और निर्विघ्न संपन्न कराने के लिए डिंडौरी जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है।

जिला दण्डाधिकारी अंजू पवन भदौरिया ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत जिले के सभी परीक्षा केंद्रों पर प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कर दिए हैं, जो कि 10 फरवरी से 07 मार्च 2026 तक प्रभावशील रहेंगे। इस दौरान परीक्षा केंद्रों के आसपास अनुशासन भंग करने वाली किसी भी गतिविधि को कानूनन अपराध माना जाएगा।

चार से अधिक व्यक्तियों का एकत्र होना प्रतिबंधित-जिला दण्डाधिकारी के आदेश के अनुसार परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में चार या उससे अधिक व्यक्तियों का अनाधिकृत रूप से एकत्र होना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। परीक्षा की शुचिता और विद्यार्थियों की एकाग्रता में बाधा डालने वाली किसी भी कोशिश पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

शोर-शराबे और तंबाखू उत्पादों पर रोक -परीक्षा केंद्रों के आसपास नारेबाजी, शोर-शराबा, डीजे, लाउडस्पीकर या किसी भी प्रकार के ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग पूर्णत: वर्जित रहेगा। आदेश के उल्लंघन पर मध्यप्रदेश कोलाहल निवारण अधिनियम 1985 के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही परीक्षा अवधि के दौरान केंद्रों के 100 मीटर क्षेत्र में पान, गुटखा, तंबाकू, बीड़ी एवं सिगरेट की बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी।

उल्लंघन पर खैर नहीं-जिला प्रशासन ने साफ किया है कि आदेशों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 सहित अन्य वैधानिक प्रावधानों के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, यह आदेश ड्यूटी पर तैनात शासकीय सेवकों, मजिस्ट्रेटों एवं पुलिस बल पर लागू नहीं होगा। जिला प्रशासन का कहना है कि यह कदम विद्यार्थियों को भयमुक्त वातावरण प्रदान करने और परीक्षाओं की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए उठाया गया है।

लापरवाह इंजीनियरों को जारी करें नोटिस : भदौरिया

निर्माणाधीन कार्यों की प्रगति पर कलेक्टर सख्त, 31 मार्च से पहले कार्य पूर्ण नहीं होने पर होगी कठोर कार्रवाई

डिंडौरी, नवभारत 6 फरवरी। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्टर सभाकक्ष में मनरेगा, 15वें वित्त आयोग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा एवं विधायक निधि अंतर्गत निर्माणाधीन विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में आंगनवाड़ी भवन, नवीन जनपद पंचायत भवन, अटल ग्राम सुशासन भवन, जल गंगा संवर्धन, तालाब निर्माण, मेढ़ तालाब, ग्रेबियन, स्टॉप डेम, पेयजल कूप एवं मेढ़ बंधान सहित विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने जिन एसडीओ एवं सब इंजीनियरों की कार्य प्रगति 60 प्रतिशत से कम पाई गई, उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कार्यों में लापरवाही एवं धीमी प्रगति पर सीईओ जनपद पंचायत डिंडौरी एवं अमरपुर का वेतन रोकने के निर्देश भी दिए गए।

लक्ष्य पूर्ण होने तक वेतन रोकने के दिए निर्देश

कलेक्टर ने अतिरिक्त सीईओ जिला पंचायत को निर्देशित किया कि मनरेगा कार्यों की पूर्णता, लेबर नियोजन एवं निर्माण कार्यों में प्रगति नहीं लाने वाले संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों का वेतन लक्ष्य पूर्ण होने तक रोका जाए। विधायक निधि अंतर्गत निर्माण कार्यों की नियमित समीक्षा नहीं करने पर सांख्यिकी कार्यालय में पदस्थ अभिषेक बंसल को भी कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।

इंजीनियर एवं एसडीओ को दी चेतावनी

कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि सभी निर्माण कार्य 31 मार्च से पूर्व पूर्ण किए जाएं, अन्यथा संबंधित इंजीनियर एवं एसडीओ पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में अतिरिक्त सीईओ जिला पंचायत पंकज जैन, कार्यपालन यंत्री आरईएस ललित कुमार, सीईओ जनपद पंचायत करंजिया पंकज देवड़ा, मेंहदवानी प्रदीप ओझा, अमरपुर लोकेश नरनोरे सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में चल रहा जंगल राज

डायरेक्टर व डिप्टी डायरेक्टर फाइलों में छिपते रहे, अफसर दौरे पर ही नहीं गए तो बाघों की सुरक्षा किसके भरोसे थी?

चिल्हारी नवभारत 6 फरवरी। बांधवगढ़ के डायरेक्टर और डिप्टी डायरेक्टर ने पिछले छ: महीने से एक भी टूर डायरी नहीं भेजी। भोपाल स्तर के कार्यालय से तीन-तीन बार चेतावनी आई, जिसमें 17 दिसंबर 2025, 13 जनवरी 2026 और 21 जनवरी 2026 को पत्र और स्मरण पत्र भेजा गया, लेकिन बांधवगढ़ प्रशासन पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। इससे सन्देह और सवाल दोनों खड़े हो रहे है कि जब अफसर दौरे पर ही नहीं गए, तो बाघों की सुरक्षा किसके भरोसे थी? या फिर दौरे हुए ही नहीं और सरकारी खजाने पर सेंधमारी की गई ?

सुरक्षित माने जाने वाले एनक्लोजर से बाघ शावक रहस्यमयी ढंग से गायब हुआ। राष्ट्रीय पशु बाघ पर लाठी-डंडे चलने की शर्मनाक घटना सामने आई, लेकिन प्रबंधन अपनी मनमर्जी में जुटा रहा। हालाकि मामला अब हाईकोर्ट जबलपुर तक पहुंच चुका है, जिसने 20 जनवरी 2026 को सख्त आदेश दिए हैं, लेकिन बांधवगढ़ प्रशासन के पास कोर्ट को यह बताने तक के लिए कुछ नहीं कि मौतों के वक्त अफसर जंगल में थे या नहीं? क्योंकि सूत्रों की माने तो डायरी ही गायब है।

डायरी से निकलेगा काले जखीरों का जिन्न

वन विभाग के भीतर ही यह चर्चा है कि टूर डायरी जानबूझकर नहीं

भेजी गई, चर्चा में है कि यदि डायरी जाती, तो यह उजागर हो जाता कि गश्त नहीं हुई, वाहन व निगरानी के नाम पर लाखों का खेल कागजों में हो गया। मसलन यह कहना लाजमी होगा कि डायरी का गायब होना सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि सबूत मिटाने की एक सोची समझी कोशिश है।

डायरेक्टर एसी कमरों में बैठकर तमाशबीन बने रहे

ऐसा आरोप है कि बीते दो महीनों में बाघ और तेंदुए लगातार मरते रहे, लेकिन क्षेत्र संचालक डॉ. अनुपम सहाय और उनका अमला जंगल की जगह एसी कमरों में बैठकर तमाशबीन बना रहा। अब प्रधान मुख्य वन संरक्षक शुभरंजन सेन के पत्र ने बीटीआर के प्रबंधन के काले करतूतों को बाहर निकाल दिया है, जिसे महीनों से कागजों के नीचे दबाया जा रहा था।

टूर डायरी आज तक वरिष्ठ कार्यालय नहीं भेजी गई

सबसे अहम बात तो यह है, कि सहाय के रसूख के आगे वरिष्ठ अधिकारियों के पत्र असहाय नजर आते हैं। यही वजह है, कि टूर डायरी जैसी सामान्य जानकारी जब वरिष्ठ कार्यालय द्वारा मंगाई गई, तो वह आज तक नहीं भेजी गई। सफारी से लेकर नौकरी तक में हुआ खेला बांधवगढ़ में नियम अब किताबों में हैं, धरातल पर सिर्फ बाघों के शव है। बीटीआर में फर्जी मैनुअल पर्चियों से अवैध सफारी का खेल धड़ल्ले से जारी है, जिसकी शिकायत सीईसी दिल्ली तक की गई है।

टूर डायरी 3 दिन में जमा करने का अल्टीमेटम

प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) शुभरंजन सेन ने पत्र जारी कर साफ कह दिया है कि फरवरी 2025 से अब तक की पूरी टूर डायरी 3 दिन में जमा करें, वरना कड़ी विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित होगी। इस पत्र ने क्षेत्र संचालक सहाय और उनके अमले को असहाय कर दिया है। अब यही लग रहा है कि यदि डायरी नहीं लिखी गई तो डायरी रातों-रात गढ़ी जाएगी या फिर बांधवगढ़ का सच पहली बार खुलकर सामने आएगा। एक बात तो तय है कि अब बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व सवालों के घेरे में नहीं, सीधे अफसरशाही के कटघरे में खड़ा है। देखना होगा कि ऊंट किस करवट बैठता है।

रुक्मिणी साक्षात लक्ष्मी का अवतार थीं : प्रेममूर्ति

छठवें दिन गोपी उद्धव संवाद और रुक्मिणी मंगल की कथा के प्रसंग सुन श्रद्धालु हुए भावविभोर

शहपुरा नवभारत 6 फरवरी। शहपुरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम मानिकपुर में असाटी परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के छठवें दिन शुक्रवार को वृंदावन धाम के कथा व्यास प्रेममूर्ति मुकुल कृष्ण महाराज ने गोपी उद्धव संवाद एवं रुक्मिणी मंगल की कथा के रोचक प्रसंग सुनाया।

आचार्य ने कहा कि गोपियों की कृष्णभक्ति से उद्धव इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने गोपियों की चरण रज की वंदना की तथा इच्छा प्रकट करते हुए कहा कि मैं अगले जन्म में गोपियों की चरण रज से पवित्र वृन्दावन की लता, औषध, झाड़ी आदि बनूं। इस प्रकार कृष्ण के प्रति ब्रजवासियों के प्रेम की सराहना करते हुए तथा नन्दादि, गोप तथा गोपियों से कृष्ण के लिए अनेक भेंट लेकर वे मथुरा लौट आए। रुक्मिणी मंगल प्रसंग के दौरान कथा स्थल पर श्रीकृष्ण-रूक्मिणी विवाह की सभी रस्में भजनों के माध्यम से प्रस्तुत की गई, जिसका सभी भक्तों ने आनंद लिया।

महिलाओं ने मंगल गीत गाए

महिला श्रद्धालुओं ने मंगल गीत गाए और जय जय श्री राधे का पवित्र उद्घोष किया। प्रवचनों में आचार्य ने कहा कि रुक्मिणी साक्षात लक्ष्मी का अवतार थीं। वह मन ही मन श्री कृष्ण से विवाह करना चाहती थीं। श्री कृष्ण भी जानते थे कि रुक्मिणी में कई गुण है, लेकिन रुक्मिणी का भाई रूक्मी श्रीकृष्ण से शत्रुता रखता था। अंतत: श्रीकृष्ण ने रूक्मी को युद्ध में परास्त कर रुक्मिणी से विवाह किया।

बच्चों का किया जाए नियमित टीकाकरण

बजाग में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित

बजाग, नवभारत 6 फरवरी। आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के अंतर्गत शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से संपूर्णता अभियान 2.0 की शुरुआत की गई है। इसी क्रम में आकांक्षी ब्लॉक बजाग के सेक्टर हर्रा में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए एक दिवसीय सघन प्रशिक्षण एवं समीक्षा बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्धारित संकेतकों में शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित करना तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाना रहा।

ऑनलाइन डेटा एंट्री की जानकारी दी-प्रशिक्षण के दौरान पर्यवेक्षक तबस्सुम खान ने चार प्रमुख संकेतकों, गर्भवती महिलाओं का शीघ्र पंजीकरण, बच्चों का नियमित टीकाकरण, पूरक पोषण आहार का प्रभावी वितरण तथा ऑनलाइन डेटा एंट्री की विस्तृत जानकारी दी।

सेवानिवृत्त आंगनबाड़ी सहायिकाओं को दी बिदाई

पुष्पमाला से स्वागत कर दिए उपहार

शहपुरा नवभारत 6 फरवरी। एकीकृत महिला एवं बाल विकास विभाग सेक्टर शहरी शहपुरा अंतर्गत अपना कार्यकाल पूर्ण कर सेवा निवृत हुई आंगनबाड़ी सहायिकाओं को भावपूर्ण ससम्मान बिदाई दी गई।

सेक्टर शहपुरा अंतर्गत ग्राम रावण कुंड की आंगनबाड़ी सहयिका रामकली बाई एवं ग्राम पड़रिया खुर्द की सहायिका मंत्रीबाई अपना कार्यकाल पूर्ण कर सेवानिवृत हुई हैं। समस्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं ने शहपुरा नगर के वार्ड क्रमांक एक आंगनबाड़ी में एकत्रित होकर उक्त सहायिकाओं का सम्मान समारोह आयोजित किया। पुष्पमाला से स्वागत कर, उपहार देकर बैंड बाजे के साथ उन्हें बिदाई दी गई।

सभी ने मिलकर नई पहल प्रारंभ की है : प्रतिभा-डिंडोरी जिले में यह पहला अवसर था जहां आंगनबाड़ी सहायिकाओं को भी शानदार तरीके से सेवानिवृत्ति पर बिदाई दी गई। सेक्टर सुपरवाइजर प्रतिभा साहू ने कहा कि आंगनबाड़ी पद पर इन सहायकों ने लंबे समय तक सेवा प्रदान की है और अब यह सेवानिवृत हो गई है। इनका भी अधिकार है कि इन्हें ससम्मान बिदाई दी जाए। यह नई हम सब ने मिलकर प्रारंभ की है, जो निरंतर आगे भी चलती रहेगी।

29 युवाओं ने स्वेच्छा से किया रक्तदान

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शहपुरा में रक्तदान शिविर आयोजित

शहपुरा, नवभारत। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शहपुरा में गुरुवार को जिला कलेक्टर अंजू भदोरिया के निर्देशन में मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में क्षेत्र के युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए बढ़-चढ़कर रक्तदान किया।

शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों, विशेषकर एनीमिया से पीड़ित बच्चों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना रहा। उल्लेखनीय है कि हाल ही में जिला प्रशासन द्वारा 'सुगढ़ टोरी अभियान' के तहत पूरे जिले में एनीमिया की व्यापक जांच कराई गई थी, जिसमें बड़ी संख्या में बच्चों में खून की कमी पाई गई। इसी को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने रक्त की कमी को दूर करने के लिए विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों में रक्तदान शिविर आयोजित करने की पहल की है। इसी कड़ी में शहपुरा स्वास्थ्य केंद्र में भी यह मेगा शिविर आयोजित किया गया।

जरूरतमंद मरीजों दिया जाएगा एकत्रित रक्त-शिविर के दौरान कुल 29 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय दिया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सभी रक्तदाताओं की जांच कर सुरक्षित तरीके से रक्त संग्रह किया। एकत्रित रक्त को जरूरतमंद मरीजों के उपचार में उपयोग किया जाएगा। प्रशासन ने रक्तदाताओं के इस सहयोग की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों में सहभागिता की अपील की है।